an>

Title: Need to give more electricity from central pool to Uttar Pradesh.

श्री दारा सिंह चौहान (घोसी): महोदय, मैं केंद्र सरकार द्वारा उन राज्य सरकारों के प्रति जो सौतेला व्यवहार है, खासकर वह राज्य सरकारें जो गैर कांग्रेस शासित हैं, जहां पर कांग्रेस की सरकार नहीं है, उनके साथ जो सौतेला व्यवहार होता है, मैं आपका ध्यान उधर खींचना चाहूंगा। उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा प्रदेश है, जहां इस देश के मुसलमानों की 25 फीसदी आबादी है। जहां बड़े पैमाने पर बुनकर रहते हैं। रमजान का महीना चल रहा है। उत्तर प्रदेश की सरकार ने कई बार केंद्र की सरकार से मांग की, क्योंकि उत्तर प्रदेश में पिछले 22 साल से कोई पावर प्रोजेक्ट नहीं लगा है। लगभग ढ़ाई हजार मेगावाट बिजली हम पैदा करते हैं और सेंट्रल पूल से उत्तर प्रदेश में लगभग 8,300 मेगावाट बिजली पैदा की जाती है। उसमें से उत्तर प्रदेश को महज 3,800 मेगावाट बिजली मिलती है जबकि उत्तर प्रदेश को 10,000 मेगावाट बिजली की जरूरत है। बाकी बिजली जो वहां पैदा होती है, वह दिल्ली सरकार को, जहां बिजली की कमी नहीं है, इसके बाद भी केंद्र सरकार सारी बिजली दिल्ली सरकार को देती है और उत्तर प्रदेश दिल्ली से महंगे दामों पर बिजली खरीदता है, हम अपने प्रदेश के लिए महंगी बिजली खरीदते हैं। इसीलिए मैं कहना चाहता हूं, आज रमजान का महीना है, वैसे ही लोग दिन भर भूखे रहते हैं। जो बुनकर बहुल इलाके हैं, वहां रात में लूम चलते हैं। मैं चाहता हूं कि कम से जो सेंट्रल पूल की बिजली हमारे यहां पैदा होती है, उसमें से सबसे पहले उत्तर प्रदेश को देने के बाद जो बिजली बचती है उसे दूसरे प्रदेशों को दिया जाये। धन्यवाद।